

major change and we are keeping ourselves fully in touch with the changes. I need not go into those details. But we are trying to formulate our policy which is in our interests and in the interest of peace and progress.

SHRI JOACHIM ALVA . Is the hon Minister aware that Japan right now is investing more than 100 million dollars in Ceylon knowing them to be a leftist Government there ? Why is it that her attitude towards India is somewhat different ?

SARDAR SWARAN SINGH I do not think that they are treating India with any special indifference or discrimination. Each country has to see which is in its best interests. We are happy if they are trying to invest or participate in the economic development of our friendly neighbour, Sri Lanka. It is a matter of great satisfaction to us and it should be so to all of us.

SHRI HARSH DEO MALAVIYA In view of the fact that Japan has declared its intention to contribute to the development of the devastated Republic of North Vietnam and also in view of the fact that the Government of India has also declared its policy and willingness to co-operate in the development of destroyed Vietnam, is there a possibility of co-operation between the Governments of India and Japan in the rebuilding of the war-devastated Vietnam ?

SARDAR SWARAN SINGH May be that the role of Japan and India may be complementary. A great deal depends on what North Vietnam wants.

MR CHAIRMAN That does not arise out of this. Next question

भारतीय युद्ध बन्धियों के साथ किया गया व्यवहार

* 340 श्री प्रेम मनोहर

श्री डी० के० पटेल

श्री ना० कृ० शेजवलकर .

श्री मान सिंह वर्मा .

डॉ० भाई महावीर :

श्री दत्तोपल्ट टेंगरी .

क्या रक्षा मंत्री यह बनाने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या पाकिस्तान द्वारा मुक्त किए गए युद्ध बंदियों ने कहा उनके साथ किए गए व्यवहार के संबंध में शिकायत की है, और

(ख) यदि हा तो उसका ज्योग क्या है उस पर सरकार न क्या कार्यवाही की है और इस संबंध में उसकी क्या प्रतिक्रिया है ?

[TREATMENT METED OUT TO INDIAN PRISONERS

*380 SHRI PREM MANOHAR

SHRI D. K. PATEL

SHRI N. K. SHEJWALKAR

SHRI MAN SINGH VARMA .

DR BHAI MAHAVIR

SHRI D. THENGARI

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state .

(a) whether the prisoners of war released by Pakistan have complained against the treatment meted out to them there, and

(b) if so, the details thereof, and action taken by Government thereon and its reaction thereto ?]

रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) (क) और (ख) पाकिस्तान में वापस भेजे गए कुछ भारतीय कार्मिका ने पाकिस्तानी हिरासत में रहते हुए अपने साथ दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत की है रैडक्रॉस की अन्तर्राष्ट्रीय समिति द्वारा विरोध प्रकट करने के लिए इन व्यक्तियों का अध्ययन किया जा रहा है और इनकी जांच की जा रही है।

[The question was actually asked on the floor of the House by Shri Man Singh Varma.

[] English translation.

[THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): (a) and (b) Some Indian personnel repatriated from Pakistan have complained of ill-treatment while they were in custody. These statements are being studied and checked with a view to lodging a protest through the International Committee of Red Cross.]

श्री मान सिंह बर्मा : श्रीमान्, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जिनका क्वेश्चन के जिनने नियम है, भारत ने उन नियमों का पूर्णतया पालन किया है। तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या पाकिस्तान ने भी उन नियमों का पालन किया है? दूसरी चीज यह है कि पाकिस्तान के जो युद्धबंदी यहां पर हैं, हमारी तरफ से उनके साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया जा रहा है, जैसा कि मेरी जानकारी में है। यहां तक कि उनको चारपाइया भी दी गयी है और जिस प्रकार के आराम की उनको आवश्यकता है वह सब दिया जा रहा है तो क्या हमारे कैदियों का भी उमी प्रकार की सुविधायें पाकिस्तान में मिल रही है?

श्री बिद्या चरण शुक्ल : जब हमारे कैदी वहां थे तब उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया था और उनकी शिकायतें हैं और उनके बारे में माननीय सदस्य ने प्रश्न पूछा है और जैसा कि मैं अपने मूल उत्तर में कहा, हम उसका अध्ययन कर रहे हैं और उसके बाद रेडक्रास की जो अंतर्राष्ट्रीय समिति है उसके साथ इस प्रश्न को उठायेगे और जहां तक कि हमारे पास जो पाकिस्तानी कैदी हैं उनका सवाल है, उनके साथ तो हम नियमों के अनुसार व्यवहार कर रहे हैं, लेकिन हमारे कैदियों की जो शिकायतें आयी हैं, वह यह है कि जो अंतर्राष्ट्रीय जिनका क्वेश्चन है उसके अनुसार उनके साथ व्यवहार नहीं किया गया है और इसकी जांच की जा रही है।

श्री मान सिंह बर्मा : माननीय मंत्री जी को याद होगा कि रेड क्रॉस रिपोर्ट के कुछ प्रश्नों को लेकर पाकिस्तान ने विदेशों में, अनेक देशों में हमारी इमेज को धुमिल करने का प्रयत्न

किया और गलत प्रचार किया उसको रोकने के लिए या अपनी इमेज को ठीक प्रकार से विदेशों में बनाये रखने के लिए हमारी तरफ से क्या प्रचार किया गया?

श्री बिद्या चरण शुक्ल : हमने अपने सही तथ्य प्रस्तुत किये और न केवल हमने ऐसी जगहों में यह किया जहां कि पाकिस्तान ने अपना कुप्रचार करने का प्रयत्न किया था बल्कि जो इंटरनेशनल सोमाइटी रेडक्रास की है उसको भी बताया कि जो इस प्रकार के तथ्य उन्होंने प्रस्तुत किये थे, उसमें कुछ गलतियां थी, खामियां थी और उनको सुधारा गया और उसके बाद जो गलत ढंग का प्रचार हमारे खिलाफ किया गया था उसमें काफी सुधार हुआ और उसका जो असर फैलाया गया था वह असर भी बहुत कुछ कम हुआ और खत्म हुआ।

डा० जाई महावीर : पिछले दिना समाचार पत्रों में यह खबर छपती रही कि हमारे हिसाब में जितने हमारे कैदी पाकिस्तान के कब्जे में हैं, पाकिस्तान उतने कैदी उसके पास है यह नहीं मानता, यानी मुझे ठीक आकड़े तो इस समय स्मरण नहीं, लेकिन कैदियों की तादाद में कुछ अंतर है जिनको पाकिस्तान अपने पास होना नहीं मानता, लेकिन हमारे हिसाब से वह उसके पास होने चाहिए। यदि इस प्रकार का अंतर सरकार के ध्यान में है तो क्या इसके बारे में कोई जांच सरकार ने स्वयं या रेड क्रॉस के द्वारा करायी और जो प्रश्न में दुर्व्यवहार की बात कही गयी है उसमें कहीं यह शिकायत भी आपके सामने आयी है कि किसी का जान बूझ कर भग्न भग्न किया गया, किसी के हाथ काटे गये या आँखें निकाली गयी, क्योंकि इस तरह के समाचार पत्रों में छपे हैं कि पाकिस्तान में युद्ध बंदियों के साथ इस तरह की वीरभ्रम कार्यवाही भी की गयी है?

श्री बिद्या चरण शुक्ल : आकड़ों में कुछ अंतर अवश्य है, जिनका हम मिसिंग मानते हैं, लापता, उनके बारे में हम ने पूछ ताछ की है, लेकिन सीधे पूछताछ की गयी, कुछ एम्बेसी के द्वारा

या इंटरनेशनल कमेटी आफ रेडक्रास के द्वारा, लेकिन यह हर दम कड़ा गया पाकिस्तान के द्वारा कि उनके पास कोई युद्ध बंदी मौजूद नहीं है जितने थे उन्होंने सब यहां पर वापस भेज दिये हैं।

श्री ७० महावीर : तादाव का कितना अंतर है।

श्री विद्या चरण शुक्ल : ठीक से याद नहीं है, लेकिन बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। आप चाहेंगे तो मैं तादाव सदन के पटल पर रख दूंगा। एक प्रश्न जो ग्रंग ग्रंग इत्यादि के बारे में आपने पूछा इस तरह की शिकायत हमारे खुद के कैदियों के द्वारा भी नहीं की गयी, लेकिन यह जरूर था कि उनके साथ भ्रमानवीय व्यवहार किया गया, उनको टावर किया गया और इस तरह की शिकायतें जरूर आयी हैं। लेकिन ग्रंग ग्रंग की कोई शिकायत नहीं आयी।

श्री ए० पी० जैन : अभी पहले रेड क्रॉस सोसाइटी की तरफ से खबर छपी थी कि पाकिस्तानी कैदियों के साथ वही मक़्ती की गयी और एक बात यह कही गयी कि उनके नाखूनो में कीले ठोकी गयी। इस संबंध में मैं पूछना चाहता हूं कि यह जो चार्ज था कि नाखूनो में कीलें ठोकी गयीं और उनको टावर किया गया उस के बारे में गवर्नमेंट ने क्या किया? क्या इस मामले को पाकिस्तान से उठाया गया या रेड क्रॉस सोसाइटी से उठाया गया और उसका क्या नतीजा निकला?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जो इस प्रकार की बातें किसी ने भी कही हैं वह सरासर गलत है। इस तरह का कोई दुर्व्यवहार जो पाकिस्तानी कैदी भारत की हिरासत में है, उनके साथ नहीं किया गया और जो बातें ऐसी उड़ायी गयी हैं वह गलत हैं और उनके पीछे कोई मानसिक दुष्प्रभाव है कि जिसके कारण यह गलत खबरें फैलायी गयी हैं।

श्री ए० पी० जैन : यह मेरे मवाल का ख़ाब है क्या? यह मज़ाक कर रहे हैं। यह रेड क्रॉस की तरफ से एक खबर यह छपी थी

कहा जाता है कि उनकी रिपोर्ट को और इस्तेमाल से निकाला गया था, उसमें लिखा था कि हिन्दुस्तान में जो पाकिस्तान के कैदी हैं उनको टावर किया गया और उनके नाखूनो में कीलें ठोकी गयीं।

श्री सत्पापत : वह कहते हैं कि यह गलत है।

श्री ए० पी० जैन : मैंने उनसे यह नहीं पूछा कि खबर गलत है यह ठीक है, लेकिन उस के बारे में आपने क्या कार्यवाही की यह मैं जानना चाहता हूं? पाकिस्तान के साथ आपने क्या कार्यवाही की?

श्री विद्या चरण शुक्ल : मैंने यह कहा था कि जो इस तरह की रिपोर्ट निकली थी उसका हम ने खंडन किया। जो अन्तर्राष्ट्रीय समिति है रेड क्रॉस की उसके साथ यह मामला उठाया गया और उनको सही तथ्य बताये गये। उन के आदमी आये और उन्होंने जांच पड़ताल की और जो-जो आरोप लगाये गये थे वह असत्य पाये गये और खलत पाये गये।

श्री जगदीश प्रसाद माधुर : आपने यह कहा कि हिन्दुस्तान में जो कैदी आये पाकिस्तान से उनकी शिकायतों को रेड क्रॉस को भेजने के पहले उनकी जांच की जा रही है। इस प्रकार की घटनाएं जो हिन्दुस्तान में पाकिस्तानी कैदियों के साथ घटी थी तो उनके लिये पाकिस्तान ने तुरन्त रेड क्रॉस से शिकायत की, लेकिन आज आप कह रहे हैं कि उनके वक्तव्य की जांच हो रही है। तो इसलिए जो आप विलम्ब कर रहे हैं उसमें कब तो आपने उनका वक्तव्य लिया और कब तक उसके लिए जांच चलती रहेगी, तो यह जो आप विलम्ब कर रहे हैं उसके चलते आप अपना केस खराब कर रहे हैं और जो ग्रंग ग्रंग किये गये हैं उनको एक गंभीर घटना होने के बाद भी आज तक आप ने उनके लिए शिकायत क्यों नहीं की।

श्री विद्या चरण शुक्ल : माननीय सदस्य का यह कथन गलत है कि पाकिस्तानी कैदियों के साथ कोई दुर्व्यवहार भारतवर्ष में हुआ

श्री जगदीश प्रसाद भाबुर : मैंने यह नहीं कहा। मैंने कहा कि पाकिस्तान तुरन्त अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति को शिकायत करता रहा है। हम उसमें क्यों डिले कर रहे हैं, यह एक सवाल है।

श्री बिद्या चरण शुक्ल : आपने कहा कि जब भी ऐसी बात उन के साथ हुई तो पाकिस्तान वालों ने तुरन्त उसके बारे में प्रोटैस्ट कर दिया और हम लोगों ने नहीं किया। यह बात मैं पहले से कहना चाहता हूँ कि ऐसा कोई दुर्व्यवहार पाकिस्तान के कैदियों के साथ भारत में हुआ ही नहीं। जो पाकिस्तान ने शिकायत की है वह कपोलकल्पित रूप से शिकायत की गयी है कि ऐसा दुर्व्यवहार हमारे यहाँ उनके साथ हुआ। जहाँ तक हमारे कैदियों के साथ दुर्व्यवहार का सवाल है हम चाहते हैं कि हम ऐसे तथ्य और चीजें पेश करें और ऐसी एवीडेंस पेश करें अन्तर्राष्ट्रीय समिति को जिसका कि कोई खण्डन न कर सके और वह चीज प्रूब हो सके। इस के लिए तथ्य इकट्ठे करना चाहते हैं और ऐसे ही कोई गैर जिम्मेदारी से हम कोई बात नहीं कहना चाहते। उसके लिए हम तैयारी कर रहे हैं ताकि वग से उस चीज को पेश किया जा सके।

श्री पीताम्बर दास : प्वाइंट यह नहीं था। प्वाइंट सीधा यह है कि कपोलकल्पित होने के बावजूद भी पाकिस्तान ने प्राम्पटली रिप्लाइ किया और हम विचार कर रहे हैं। यह कैपेरिजन है। एलीगेशन सच हो या न हो प्रश्न यह नहीं है। In spite of the allegations being false, they promptly reacted. We have not promptly reacted. Why?

श्री बिद्या चरण शुक्ल : माननीय सदस्य बात को अच्छी तरह समझ सकते हैं कि कपोलकल्पित बातें तो जल्दी की जा सकती हैं, लेकिन मच्चाई पर आधारित चीजों में वक्त लगता है।

SHRI N. G. GORAY : Ever since the conflict between India and Pakistan started, Red Cross has been in the picture. Is the

Government of the opinion now that as between two countries the Red Cross is not holding the scales even and Red Cross has been acting in a very partial manner, which it should not do?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : Sir, there was a little complaint of this kind against the previous representative of the International Red Cross. This gentleman has since been replaced, and a new representative of the International Committee has been posted, and he is acting in a fair manner and there is no such complaint against him.

*154. [The questioner (Shri Sasankasekhar Sanval) was absent. For answer vide col. 32 infra.]

INDIAN DIGNITARY'S WIFE MAKING PURCHASES IN EUROPE

*381. SHRI NAWAL KISHORE :

SHRI GANESHI LAL

CHAUDHARY :

SHRI BABUBHAI M. CHINAI :

SHRI SASANKASEKHAR

SANYAL :

SHRI S. A. KHAJA MOHIDEEN

SHRI BANARSI DAS :

SHRIMATI SITA DEVI :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the report appearing in the Hindustan Times dated January 2, 1973 to the effect that the wife of a high dignitary while on an official visit to a European country made wide ranging purchases and did not pay her bills;

(b) if so, who is the person concerned, what is the amount involved and what action Government have taken against the person concerned; and

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Nawal Kishore.